प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 19 मार्च 2018, को पूर्वाह्न 10 बजे किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभागा द्वारा **टी0बी0 जागरूकता सप्ताह '' जन हस्ताक्षर अभियान''** का आयोजन चिकत्सा विश्वविद्यालय के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग द्वारा किया गया। उपरोक्त कम्पेन को चिकित्सा विश्वविद्यालय के **मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी** द्वारा झण्डा दिखाकर रवाना किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम 19 से 24 मार्च, 2018 के मध्य विश्व टी0बी0 दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जायेगा। उपरोक्त रैली प्रशासनिक भवन से प्रारम्भ होकर ट्रॉमा सेण्टर तक गई जिसमें चिकित्सा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों , विभिन्न स्वयं सेवी संगठनो के साथ–साथ ऑम लोगो द्वारा प्रतिभाग किया गया। **कार्यक्रम में हजारो लोगो ने भाग लिया और तपेदीक के प्रति समाज में जागरूकता लाने के लिए शपथ ली**। उपरोक्त जागरूकता सप्ताह के दौरान के0जी0एम0यू0 एवं अन्य मेडिकल कॉलेजों के एम0बी0बी0एस0 छात्रों द्वारा लखनऊ के विभिन्न हिस्सों में तपेदीक के सम्बंध में सामान्य समुदाय के ज्ञान , रवैया और प्रथाओं का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो0 अमिता जैन, विभागाध्यक्ष माईक्रोबायोलॉजी विभाग एवं आयोजन सचिव, डॉ0 शीतल वर्मा ने बताया कि के0जी0एम0यू0 द्वारा टी0बी0 जागरूकता सप्ताह 19 से 24 मार्च, 2018 को मध्य **टी0बी0 जागरूकता सप्ताह '' जन हस्ताक्षर अभियान''** चलाया जा रहा है, जो 24 मार्च को विश्व तपेदीक दिवस के अवसर पर जन समुदाय में इसके प्रति जागरूकता लाने एवं इसके विनाश स्वास्थ्य परिणामो, समाजिक एवं आर्थिक परिणमों के प्रति जागरूकता और विश्व स्तर पर टी0बी के महामारी को खत्म करने के प्रयासों को बढ़ाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं स्टॉप टी0बी0 पार्टनशिप द्वारा इस बार के विश्व टी0बी दिवस का थीम '' Wanted Leaders for TB free world. You Can make a history. End TB'' दिया गया है। तपेदीक विश्व भर में मृत्यु के 10 शीर्ष कारणो में से एक है जिससे बचा जा सकता है। फुस्फुसीय एवं अतिरिक्त फुस्फुसीय टीबी की जल्द पहचान एवं उसका उपचार बच्चो एवं बड़ो दोने में महत्वपूर्ण है तथा केजीएमयू भारत को 2025 तक टी0बी0 मुक्त करने के मिशन को आगे बढ़ाने मे महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कटिबद्ध है।

उपरोक्त कार्यक्रम का आयोजन **मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी** के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए अयोजि किया जा रहा है, जो कि विश्व स्तर पर टी0बी0 उन्मूलन के निर्धारित समय सीमा 2025 से पांच वर्ष पहले खत्म करने का है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानको के अनुसार टी0बी0 उन्मूलन से तात्पर्य 10 लाख लोगो की आबादी में एक से कम टी0बी0 का केस होना चाहिए। उपरोक्त दृष्टिकोण के अनुसार आठ वर्ष से कम समय मे टी0बी0 मुक्त भारत से तात्पर्य टी0बी0 से शुन्य मृत्यु एवं इस बीमारी की वजह से गरीबी को खत्म करना है । भारत में प्रति वर्ष 28 लाख टी0बी0 के नये केस एवं इससे 5 लाख लोगो की मृत्यु प्रत्येक साल होती है तथा लगभग करीब 10 लाख लोग या तो अनडायग्नोस होता है या अंडरडायग्नोसीस में होते है जिसे विशेषज्ञों द्वारा

लापता कहा जाता है। उ0प्र0 में प्रत्येक साल लगभग 3 लाख टी0बी0 के नये केस सामने आते है। प्रत्येक तीसरे मिनट दो लोगो की मृत्यु टी0बी0 की वजह से होती है।

माईक्रोबॉयोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो0 अमिता जैन ने बताया कि विभाग की लैबोरेटरी में अत्याधुनि उपकरणों के साथ टी0बी0 की जांच के लिए सारी सुविधाएं उपलब्ध है जैसे GeneXpert (BNAAT), Line Probe Assay, MGIT Liquid culture और ड्रग सेंसीटीव जांच प्रथम और द्वितीय लाईन के एन्टी–ट्यूबरकुलर ड्रग। प्रयोगशाला आई0एस0ओ0 151891 (NABL) मान्यता प्राप्त है और प्रत्येक वर्ष लैबोरेटरी में 5000 मरीजो की जांच की जाती है जो कि के0जी0एम0यू0 एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आर0एन0टी0सी0पी0 कार्यक्रम के तहत रेफर किये जाते है। लैबोरेटरी द्वारा निःशुल्क सेवा प्रदान की जाती है जो कि आर0एन0टी0सी0पी0 कार्यक्रम के तहत भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार एवं विभिन्न एन0जी0ओ0 द्वारा समर्थित है।

कार्यक्र में श्री राजेश कुमार राय, कुलसचिव, प्रो0 जी0के सिंह, विभागाध्यक्ष, अर्थोपेडिक सर्जरी विभाग, प्रो0 एस0एन0 शंखवार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, के0जी0एम0यू0, प्रो0 विजय कुमार, चिकत्सा अधीक्षक, प्रो0 विमला वेंकटेश, प्रो0 गोपा बनर्जी, प्रो0 उर्मिला सिंह, डॉ0 नवनीत कुमार, डॉ संतोष कुमार, डॉ0 अविनाश अग्रवाल, डॉ0 दर्शन बजाज, डॉ0 पवन सिंह, सहित चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागो के संकाय सदस्य, विद्यार्थि एवं अन्य लोग उपस्थित रहें।

प्रो0 नरसिंह वर्मा
संकाय प्रभारी,
मीडिया सेल, के0जी0एम0यू0

प्रो0 विभा सिंह
संकाय प्रभारी,
मीडिया सेल, के0जी0एम0यू0

डॉ0 सुधीर सिंह
संह–संकाय, प्रभारी
मीडिया सेल,के0जीएम0यू0